अमर उजाला
गोरखपुर
CIT

आयुष कॉलेजों में फर्जीवाड़ा करने वाले 891 विद्यार्थी हो सकते हैं बर्खास्त

आयुष विश्वविद्यालय ने निलंबित छात्रों के इनरोलमेंट नंबर पर भी लगाई रोक

गोरखपुर। प्रदेश के आयुष कॉलेजों में फर्जीवाड़ा कर प्रवेश लेने वाले 891 निलंबित विद्यार्थियों को महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय बर्खास्त कर सकता है। साथ ही इन छात्रों को इनरोलमेंट नंबर जारी करने पर रोक लगा दी है।

जिन छात्रों के इनरोलमेंट नंबर जारी कर दिए गए हैं, उन्हें नियमित करने का फैसला लिया गया है। अब तक प्रदेश के 12 कॉलेजों ने 200 से अधिक निलंबित छात्रों की सूची विश्वविद्यालय प्रशासन को उपलब्ध करा दी है।

जानकारी के मुताबिक, प्रदेश के 104 सरकारी और निजी कॉलेजों में मिलकर आयुष, यूनानी और होम्योपैथी की 7338 सीटें हैं। इन सीटों पर इस बार नीट काउंसिलिंग के जरिए प्रवेश हुआ है। लेकिन,

प्रदेश के 12 कॉलेजों ने अब तक 200 से अधिक फर्जी छात्रों की भेजी सूची

200 निलंबन छात्रों की मिली सूची

रजिस्ट्रार आरबी सिंह ने बताया कि प्रदेश के 12 कॉलेज ऐसे हैं, जिन्होंने 200 ऐसे छात्रों की सूची भेज दी है, जिन्होंने फर्जीवाड़ा कर दाखिला लिया है। अन्य कॉलेज भी ऐसे छात्रों की सूची भेज रहे हैं। इन छात्रों के इनरोलमेंट नंबर पर रोक लगाने की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है।

> "प्रदेश भर में फर्जीवाड़ा कर हजारों छात्रों ने आयुष कॉलेजों में प्रवेश लिया है। जिन्हें निलंबित किया जा चुका है। अब इन सभी छात्रों को इनरोलमेंट नंबर पर रोक लगा दी गई है। जिन्हें इनरोलमेंट नंबर जारी कर दिया गया है, उसे निरस्त करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। 200 बर्खास्त छात्रों की सूची अब तक विश्वविद्यालय को मिल चुकी है। अन्य कॉलेज छात्रों की सूची भेज रहे हैं।
>
> -आरबी सिंह, रजिस्ट्रार, महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय

प्रवेश के बाद रजिस्ट्रेशन और फार्म भरने की प्रक्रिया के दौरान 891 छात्र ऐसे मिले, जिन्होंने कागजों में हेर-फेर कर प्रदेश के कॉलेजों में सत्र 2021-22 में दाखिला ले लिया।

इनके बारे में आयुर्वेद निदेशालय को सूचना दी गई। जांच में पता चला कि इनमें 22 छात्र ऐसे हैं, जो नीट की प्रवेश परीक्षा में शामिल ही नहीं हुए थे, लेकिन इनका भी दाखिला आयुष कॉलेजों में हो गया है। कई अन्य छात्रों का दाखिला मेरिट में हेर-फेर के जरिए आयुष कॉलेजों में हुआ है। मामले की गंभीरता को देखते हुए आयुष निदेशालय ने ऐसे 891 छात्रों को निलंबित कर दिया। वहीं, आयुष विश्वविद्यालय ने अब इन छात्रों के इनरोलमेंट नंबर जारी करने पर रोक लगा दी है। साथ ही बर्खास्त करने का फैसला भी लिया है।

104 में 85 कॉलेजों को मिली है मान्यता

महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार आरबी सिंह ने बताया कि प्रदेश में 104 आयुर्वेदिक, यूनानी और होम्योपैथी कॉलेज हैं। इनमें 2021-22 के लिए 85 आयुर्वेद, यूनानी और होम्योपैथी कॉलेजों को मान्यता दे दी गई है। इनमें आयुर्वेद के 65 निजी और अन्य सरकारी, यूनानी के दो निजी और दो सरकारी, होम्योपैथी के दो सरकारी और दो निजी कॉलेज शामिल हैं। कुल 19 सरकारी और 69 निजी कॉलेजों को मान्यता दी गई है।

क्या है इनरोलमेंट नंबर

रजिस्ट्रार आरबी सिंह ने बताया कि इनरोलमेंट नंबर एक तरह से छात्रों की यूनिक आईडी होती है। इसी आईडी से उनकी पहचान होती है। इनरोलमेंट नंबर जारी नहीं होने पर छात्रों की पढ़ाई अवैध मानी जाएगी और डिग्री भी मान्य नहीं होगी।

आयुष विवि निर्माण में धीमी गति पर जताई नाराजगी

22/12/22

- सीडीओ ने निर्माणाधीन आयुष विश्वविद्यालय का किया निरीक्षण
- टाइप थ्री एवं टाइप टू के कक्ष निर्माण कार्य बंद मिलने पर जताई नाराजगी

गोरखपुर, विश्वविद्यालय संवाददाता। सीडीओ संजय कुमार सोनवानी ने बुधवार को महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय का निरीक्षण किया। विश्वविद्यालय निर्माण की धीमी गति पर सीडीओ ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने कार्यदायी संस्था के जिम्मेदारों से पूछा कि इतनी धीमी गति से अवशेष कार्य कैसे पूर्ण हो पाएंगे। जबकि निर्माण की निर्धारित पूर्ति होने में सिर्फ आठ माह शेष है।

सीडीओ ने आयुष विश्वविद्यालय के निर्माण की जिम्मेदारी निभाने वाली कंपनी स्वर्णलन्दन के कर्मचारी से अब तक की प्रगति के संबंध में पूछा। कर्मचारी ने बताया कि कार्य 2022 से निर्माण कार्य शुरू हुआ है। 10 माह में आयुष विश्वविद्यालय निर्माण की प्रगति 23.80 प्रतिशत पहुंची है। जबकि दो सितंबर 2023 तक आयुष विश्वविद्यालय का निर्माण कार्य पूर्ण करने का अनुबंध है। अगले आठ माह में 76.2 प्रतिशत कार्य करने का लक्ष्य है। कार्यदायी संस्था विजय निर्माण कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर अजीत काजला ने सीडीओ को बताया कि आज के दिन 622 मजदूर साइट पर काम कर रहे हैं। साइट शिफ्ट में काम करने के लिए लेबर सप्लाई करने वाली एजेंसियों से बातचीत चल रही है। टाइप थ्री एवं टाइप टू के भवन का निर्माण कार्य बंद मिलने पर सीडीओ ने कड़ी नाराजगी जाहिर किया। इसके पूर्व सीडीओ ने फैसिलिटी सेंटर, मेडिकल एडमिन ब्लॉक का निरीक्षण किया। उन्होंने कुलपति आचार्य को इसके संबंध में पूछा तो प्रोजेक्ट मैनेजर अजीत जोशी ने बताया कि सेंटर का कार्य अंतिम चरण में चल रहा है। 15 दिनों में कार्य पूर्ण हो जाएगा। सीडीओ ने कहा कि जब तक अंतिम रूप से अधिक कार्य पूर्ण नहीं हुए, तो बारिश शुरू होते ही निर्माण कार्य में बाधा उत्पन्न होना शुरू हो जाएगा। सीडीओ ने कहा कि इस प्रोजेक्ट की मानिटरिंग मुख्यमंत्री के स्तर से की जा रही है।

चिकित्सा शिक्षा में जिले को बड़ी उम्मीदें

- प्रदेश के पहले आयुष विश्वविद्यालय में शुरू होगी पढ़ाई
- एम्स में शुरू होगा परास्नातक कोर्स, भेजा गया है प्रस्ताव

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : चिकित्सा शिक्षा में जिले को वर्ष 2023 बड़ी सौगात देगा। प्रदेश का पहला महायोगी गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय शुरू होगा और यहां आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा, होम्योपैथ, यूनानी व योग की पढ़ाई होगी। साथ ही एम्स में परास्नातक कोर्स शुरू किए जाएंगे। इसके लिए प्रबंधन ने प्रस्ताव भेज दिया है। वर्ष 2022 ने जो चिकित्सा शिक्षा की पृष्ठभूमि तैयार की है। 2023 में उसमें फूल खिलेंगे, जिनकी महक से आने वाले दिनों में स्वास्थ्य जगत महक उठेगा।

आयुष विश्वविद्यालय से प्रदेश के 108 महाविद्यालय संबद्ध हो चुके हैं। यहां के छात्र-छात्राओं का नामांकन आयुष विश्वविद्यालय शुरू हो जाने से पूरे प्रदेश के आयुष महाविद्यालयों में प्रवेश व परीक्षा गोरखपुर से संचालित की जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों से यह सौगात गोरखपुर को मिली है। इतना ही नहीं महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की शुरुआत हो चुकी है। यहां भी आयुर्वेद, एलोपैथ व अन्य विधाओं में शिक्षण व्यवस्था शुरू की जाएगी। 27 साल से बंद चल रही एएनएम (आक्जीलरी नर्स एंड मेडवाइफरी) व जीएनएम (जनरल नर्सिंग एंड मेडवाइफरी) की पढ़ाई इस साल शुरू कर दी गई। एम्स व बीआरडी मेडिकल कालेज में भी इसकी पढ़ाई शुरू हो चुकी है।

इससे बड़ी संख्या में नर्स जिले को मिलेंगी, स्वास्थ्य व्यवस्था मजबूत होगी। मेडिकल कालेज के एनस्थीसिया विभाग में पीजी की छह सीटें बढ़ सकती हैं। इसका प्रस्ताव नेशनल मेडिकल एसोसिएशन को भेजा जा चुका है। फेकल्टी व संसाधन पूरे हैं। इसलिए वे सीटें मेडिकल कालेज को मिलने की उम्मीदें ज्यादा हैं।

इससे चिकित्सक डाक्टरों की कमी दूर होगी। ट्रामा सेंटर, आइसीयू में रोगियों का उपचार आसान हो सकेगा। साथ ही सर्जरी में आ रही दिक्कतें दूर होंगी। अभी एम्स, बीआरडी मेडिकल कालेज, जिला महिला अस्पताल व सीएचसी पर चिकित्सकों की कमी से अस्पताल में दिक्कतें आती हैं। जब स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूती उपलब्ध करेगा। एम्स में सत्र साल पहले एमबीबीएस की पढ़ाई शुरू हुई। पिछले साल सीटें 50 से बढ़ाकर 125 हो गईं। चार साल बाद एम्स जिले को 125 एमबीबीएस डाक्टर उपलब्ध कराएगा। मेडिकल कालेज हर साल 150 एमबीबीएस डाक्टर व 100 से अधिक पीजी व एमएस डाक्टर दे रहा है। अब चिकित्सक व पर्याप्त संख्या में नर्स व पैरामेडिकल स्टाफ मिल जाने से चिकित्सा क्षेत्र की बाधाएं खत्म होंगी।

एम्स की कार्यकारी निदेशक डा सुरेखा किशोर, बीआरडी मेडिकल कालेज के प्राचार्य डा गणेश कुमार, महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति डा एके सिंह, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुल सचिव डा प्रदीप कुमार राय ने चिकित्सा शिक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई है। उन्होंने कहा कि बेहतर चिकित्सा शिक्षा बेहतर डाक्टर, नर्स व पैरामेडिकल स्टाफ पैदा करने में समर्थ होगी।

खिचड़ी बाद शुरू हो सकती है ओपीडी

हिन्दुस्तान – दि० 28/12/22

आयुष विवि

महायोगी आयुष विवि के निरीक्षण के दौरान प्रोजेक्ट मैनेजर हिमेश जोशी से बात करते कुलपति प्रोफेसर एके सिंह। • हिन्दुस्तान

हल्द्वानी, हिमा। पिपरी में निर्माणाधीन महायोगी गुरु गोरखनाथ राज्य आयुष विश्वविद्यालय में अस्थाई ओपीडी संचालन मकर संक्रांति के बाद कराने शुरू हो सकता है। मंगलवार को कुलपति डा एके सिंह ने विश्वविद्यालय के निर्माण कार्यों का जायजा लेने के साथ ही फैसिलिटी सेंटर में अस्थाई ओपीडी संचालन की तैयारी की व्यवस्था का निरीक्षण किया।

कुलपति ने बताया कि फैसिलिटी सेंटर का निर्माण लगभग पूर्ण हो चुका है। अस्थाई ओपीडी संचालन के लिए मंडलायुक्त के साथ बैठक कर मुख्यमंत्री से समय लेने के विषय में निर्णय लिया जाएगा। कुलपति ने बताया कि विवि परिसर में कुल 28 कुटियों का निर्माण किया जाएगा। इसमें नेचुरोपैथी, पंचकर्म एवं योग के माध्यम से आवासीय चिकित्सा की व्यवस्था होगी। कुलपति ने कहा कि अब तक आयुष विवि परिसर में 500 पौधों का रोपण कराया जा चुका है। विजय निर्माण के प्रोजेक्ट मैनेजर अजीत काजला से टाइप वन एवं टाइप फाइव के प्रथम तल का कार्य जल्द पूरा कराने के निर्देश दिए। वहीं अनुबंध के अनुसार विवि के मुख्य भवन के प्रथम तल का निर्माण 25 जनवरी तक पूर्ण हो जाना चाहिए, जबकि प्रोजेक्ट मैनेजर ने 15 फरवरी तक कार्य पूरा होने का आश्वासन दिया।

मकर संक्रांति के बाद शुरू हो सकती अस्थायी ओपीडी

दैनिक जागरण – दि० 28/12/22

जागरण संवाददाता, भटहट : पिपरी में बन रहे महायोगी गुरु गोरखनाथ राज्य आयुष विश्वविद्यालय में अस्थाई ओपीडी संचालन मकर संक्रांति के बाद शुरू हो सकता है। मंगलवार को कुलपति डा एके सिंह ने विश्वविद्यालय के निर्माण कार्यों का जायजा लिया। फैकल्टी सेंटर में अस्थाई ओपीडी संचालन की तैयारी को भी देखा।

कुलपति ने बताया कि फैकल्टी सेंटर लगभग पूर्ण हो चुका है। अस्थाई ओपीडी संचालन के लिए मंडलायुक्त के साथ बैठक कर मुख्यमंत्री का समय लेने के विषय में निर्णय लिया जाएगा। परिसर में कुल 28 कुटियों का निर्माण किया जाएगा। जिसमें नेचुरोपैथी, पंचकर्म एवं योग के माध्यम से आवासीय चिकित्सा सेवा मुहैया कराई जाएगी। कुलपति आवास के सामने एक मंदिर का निर्माण कार्य भी शुरू हो गया है। जहां शिव परिवार के साथ ही भगवान राम, लक्ष्मण एवं सीता की मूर्ति स्थापित की जाएगी। कुलपति ने कहा कि अब तक आयुष विश्वविद्यालय परिसर में औषधीय एवं फलदार पांच सौ पौधों का रोपण कराया जा चुका है। विजय निर्माण के प्रोजेक्ट मैनेजर एचएस जोशी एवं अजीत कजला से टाइप वन व टाइप फाइव के प्रथम तल का कार्य जल्द से जल्द पूर्ण कराने का निर्देश दिया।